करेंट अफेयर्स उत्तर प्रदेश

जनवरी 2022

(संग्रह)

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश **5**

- मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया 5
- प्रदेश में 15 से 18 वर्ष के किशोर बच्चों के कोविड टीकाकरण का शुभारंभ 5
- मुख्यमंत्री ने विधानमंडल पुस्तकालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन किया 6
- मुख्यमंत्री ने किया आतंकवाद निरोधक दस्ता (ए.टी.एस.) की नई इकाई के भवन का शिलान्यास 6
- नगरीय विकास की 3,800 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का डिजिटल लोकार्पण एवं शिलान्यास 7
- दुनिया का सबसे उन्नत किस्म का कृत्रिम हृदय बनाएगा आईआईटी कानपुर 7
- प्रदेश में 572 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास 8
- जल पुरस्कारों में उत्तर प्रदेश ने जीता प्रथम पुरस्कार 8

नोट :

- उत्तर प्रदेश को मिले पाँच प्रतिष्ठित ई-गवर्नेंस पुरस्कार 9
- वरिष्ठ पत्रकार कमाल खान का निधन 10
- एमएनएनआइटी को मिला राष्ट्रीय स्तर का लॉन टेनिस और बास्केटबॉल कोर्ट 10
- कथक नृत्य सम्राट पंडित बिरजू महाराज का निधन 10
- आगरा मास्टर प्लान-2031 11
- देश का तीसरा सर्वाधिक प्रदूषित शहर बनारस 11
- उत्तर प्रदेश के 8 बच्चे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित 12
- उत्तर प्रदेश के 14 व्यक्तियों को पद्म पुरस्कार 12
- उत्तर प्रदेश के 79 पुलिसकर्मियों को वीरता पदक/सेवा पदक 13
- उत्तर प्रदेश विधानपरिषद चुनाव 13
- काशी बनेगी शंघाई सहयोग संगठन की सांस्कृतिक व पर्यटन राजधानी 14

नोट :

नोट :

उत्तर प्रदेश

मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया

चर्चा में क्यों ?

- 2 जनवरी, 2022 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनपद मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय पर केंद्रित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

प्रमुख बिंदु

- 700 करोड़ रुपए की लागत के इस विश्वविद्यालय का निर्माण 91.38 एकड़ क्षेत्रफल में किया जाएगा।
- प्रधानमंत्री ने मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय के मॉडल तथा जनपद मेरठ में उत्पादित खेल के सामानों पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान उन्होंने एक स्टॉल पर एक्सरसाइज मशीन का इस्तेमाल करके भी देखा।
- प्रधानमंत्री ने प्रदेश के नौजवानों को राज्य के पहले खेल विश्वविद्यालय के लिये बधाई देते हुए कहा कि यह आधुनिक यूनिवर्सिटी दुनिया की श्रेष्ठ स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी होगी। यहाँ युवाओं को खेल से जुड़ी अंतर्राष्ट्रीय सुविधाएँ मिलेंगी।
- इस विश्वविद्यालय में खेल, खेल विज्ञान तथा खेल प्रोद्योगिकी के विभिन्न पाठ्यक्रमों के साथ प्रशिक्षण एवं शोध कार्य संचालिय किया जाएगा।
- यह विश्वविद्यालय कैरियर के रूप में स्पोर्ट्स को अपनाने के लिये स्किल्स का निर्माण यहाँ हर साल एक हज़ार से अधिक बेटे-बेटियाँ बेहतरीन खिलाड़ी बनकर निकलेंगे।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में देश की पहली नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ने मणिपुर में स्थापित की गई थी।

प्रदेश में 15 से 18 वर्ष के किशोर बच्चों के कोविड टीकाकरण का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 3 जनवरी, 2022 को उत्तर प्रदेश में 15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिये कोविड वैक्सीनेशन अभियान प्रारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री ने 15 से 18 वर्ष के बच्चों को टीकाकरण के लिये प्रेरित करने हेतु वैक्सीनेशन वाले दिन तथा अगले दिन इन बच्चों को विद्यालय से अवकाश अनुमन्य किये जाने के निर्देश दिये।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 15 से 18 वर्ष आयु के बच्चों की संख्या लगभग 1 करोड़ 40 लाख है। इस आयु वर्ग के लिये आज से प्रदेश में 2,150 बूथ पर टीकाकरण की कार्यवाही प्रारंभ हुई है। राजधानी लखनऊ के 39 सेंटर्स पर 15 से 18 वर्ष के बच्चों को वैक्सीन दी जा रही है।
- गौरतलब है कि 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के तहत उत्तर प्रदेश में अब तक 20 करोड़ 25 लाख से अधिक वैक्सीन डोज दी जा चुकी हैं। 12 करोड़ 84 लाख 94 हज़ार 516 लोगों ने टीके की पहली डोज तथा 7 करोड़ 40 लाख 93 हज़ार 819 लोगों ने दोनों डोज ले ली हैं।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक ओमीक्रोन के 8 मामले आए हैं, जिसमें से 3 मामले पहले ही निगेटिव हो चुके हैं। शेष होम आइसोलेशन में हैं। प्रदेश में वर्तमान में कोविड-19 के कुल 2,261 एक्टिव केस हैं। इनमें 2,100 से अधिक होम आइसोलेशन में हैं।

मुख्यमंत्री ने विधानमंडल पुस्तकालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन किया

चर्चा में क्यों ?

- 3 जनवरी, 2022 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में 'कर्मयोद्धा राम नाई', 'हृदय नारायण दीक्षित रचनावली' एवं विधानसभा अध्यक्ष के मार्गदर्शन में विधानमंडल पुस्तकालय द्वारा प्रकाशित अन्य पुस्तकों का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- उन्होंने इसके पूर्व, विधानभवन के राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन हॉल में राष्ट्रपति महात्मा गांधी, बाबा साहब डॉ. बी.आर. अंबेडकर तथा पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के तैल चित्रों का अनावरण किया तथा विधानमंडल प्रकाशन विक्रय केंद्र का लोकार्पण भी किया।
- ज्ञातव्य है कि विधानमंडल पुस्तकालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में 5 मुख्यमंत्रियों के भाषण के संकलन पर आधारित पुस्तकों का विमोचन हुआ। इनमें उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा दिये गए भाषणों का संकलन- 'संकल्प और सङ्कल्प: उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संवाद' सहित 'उत्तर प्रदेश विधान सभा में राजनाथ सिंह', 'उत्तर प्रदेश विधानसभा में कल्याण सिंह', 'उत्तर प्रदेश विधानसभा में राम प्रकाश' तथा 'उत्तर प्रदेश विधानसभा में चौधरी चरण सिंह के उद्बोधन' पुस्तकें सम्मिलित हैं।
- इसके साथ ही विधानमंडल पुस्तकालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में 'संविधान सभा में उत्तर प्रदेश से निर्वाचित सदस्यों के भाषण', 'उत्तर प्रदेश विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व एवं मंत्रिपरिषद में सहभागिता', 'उत्तर प्रदेश विधान सभा में संसदीय विशेषाधिकार', 'उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपालों के अभिभाषण', 'उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपवेशन और उनमें माननीय सदस्यों की उपस्थिति' पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक की आत्मकथा चरैवेति चरैवेति के विभिन्न संस्मरणों पर आधारित 'कर्मयोद्धा राम नाईक' पुस्तक का विमोचन किया गया है। चरैवेति चरैवेति पुस्तक का लगभग 11 भाषाओं में अनुवाद हुआ है। यह पुस्तक प्रत्येक व्यक्ति को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है। कर्मयोद्धा राम नाईक पुस्तक पूर्व राज्यपाल राम नाईक की जीवंतता व सक्रियता के साथ उत्तर प्रदेश व समाज के प्रत्येक पहलू पर उनकी गहरी पैठ को व्यक्त करती है
- यहाँ विमोचित पुस्तकें विधानमंडल पुस्तकालय के लिये एक बड़ा संकलन होंगी, जिन्हें अलग-अलग पुस्तक के आकार के रूप में संजोया गया है। ये पुस्तकें पुस्तकालय की समृद्धि के साथ-साथ नये विधानसभा सदस्यों, राजनीति में रुचि रखने वालों, शोधार्थियों सहित सार्वजनिक जीवन में उत्तर प्रदेश से संबंधित सामाजिक, आर्थिक गतिविधियों पर नज़र रखने वाले व्यक्तियों के लिये भी ज्ञानवर्धक होंगी।
- उन्होंने कहा कि यहाँ पर संविधान सभा में उत्तर प्रदेश से निर्वाचित सदस्यों के भाषण एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व एवं परिषद में उनकी सहभागिता से संबंधित पुस्तक का विमोचन हुआ है। यह पुस्तक रुचिकर व भावी पीढ़ी के लिये प्रेरणादायक होगी।

मुख्यमंत्री ने किया आतंकवाद निरोधक दस्ता (ए.टी.एस.) की नई इकाई के भवन का शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

- 4 जनवरी, 2022 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद सहारनपुर के देवबंद में आतंकवाद निरोधक दस्ता (ए.टी.एस.) की नई इकाई के भवन 'कमांडो ट्रेनिंग सेंटर' का शिलान्यास किया और प्रदेश के विभिन्न जनपदों के फायर स्टेशनों का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने जनपद सहारनपुर में 199 करोड़ रुपए की 112 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 162.98 करोड़ रुपए की 61 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 45.86 करोड़ रुपए की 51 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। साथ ही, इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को टैबलेट एवं स्मार्टफोन प्रदान किये।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा देश एवं प्रदेश की समृति के लिये 1 करोड़ छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क टैबलेट एवं स्मार्टफोन प्रदान किये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा के लिये ए.टी.एस. सेंटर बनाया जा रहा है।
- कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के मद्देनज़र युवा ऊर्जा को ऑनलाइन एजूकेशन, ऑनलाइन एग्जाम तथा कंपटीशन की तैयारी के लिये प्रदेश सरकार ने टैबलेट एवं स्मार्टफोन से जोड़ने का निर्णय लिया है।

- टैबलेट एवं स्मार्टफोन प्राप्त करने वाले युवाओं में मेडिकल, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी, इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक, आई.टी.आई., विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी शामिल होंगे।
- ए.टी.एस. के सेंटर में 56 कमांडो हमेशा सुरक्षा के लिये तैनात रहेंगे। यह आतंकवाद निरोधक दस्ता पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आतंकवादी गतिविधियों को रोकने में कारगर होगा। साथ ही देश व प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा के लिये कार्य करेगा।

नगरीय विकास की 3,800 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का डिजिटल लोकार्पण एवं शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

- 4 जनवरी, 2022 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 58,903 लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त की 500 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि का ऑनलाइन अंतरण सहित नगरीय विकास की 3,800 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का डिजिटल लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- इन परियोजनाओं में स्मार्ट सिटी मिशन की लगभग 909 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।
- साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत 627 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 28 सॉलिड वेस्ट प्रॉसेसिंग प्लांट, 13 लिगेसी वेस्ट रेमिडिएशन, जनपद आगरा में 1 वेस्ट टू एनर्जी प्लांट तथा 1100 पब्लिक टॉयलेट/ पिंक टॉयलेट का शिलान्यास, उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय के तहत अमृत मिशन व राज्य सेक्टर की 926 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।
- इनके अतिरिक्त नगर निगम अयोध्या व मथुरा-वृंदावन के कार्यालय भवन शिलान्यास तथा नगर निगम गाज़ियाबाद की 506 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास, प्रदेश के 651 नगर निकायों में 1000 प्री वाई-फाई ज़ोन की परियोजनाओं का शिलान्यास किया।
- इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु प्लास्टिक कचरे को नदी तंत्र में जाने से रोकने तथा कूड़े के जैविक प्रबंधन के लिये राज्य सरकार, नगर निगम कानपुर तथा जर्मन एजेंसी जी.आई.ज़ेड. के मध्य एक त्रिपक्षीय एम.ओ.यू. का संपादन भी किया गया। अपर मुख्य सचिव नगर विकास डॉ. रजनीश दुबे तथा जी.आई.ज़ेड. की प्रोजेक्ट हेड सुश्री वैशाली नंदन ने एम.ओ.यू. का आदान-प्रदान किया।
- कार्यक्रम के दौरान आगरा नगर निगम में वेस्ट मैनेजमेंट पर केंद्रित तथा गाज़ियाबाद नगर निगम के नवाचारों पर केंद्रित लघु फिल्में प्रदर्शित की गईं।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विगत लगभग 5 वर्षों में 3 नए नगर निगम, 3 नई नगर पालिकाएँ 84 नई नगर पंचायतों का गठन करने के साथ 61 नगर निकायों का सीमा विस्तार किया है। वर्तमान में प्रदेश में 734 नगर निकाय हैं।
- इस अवसर पर 7 शहरों- मेरठ, आगरा, मथुरा-वृंदावन, अलीगढ़, बरेली, शाहजहाँपुर तथा मुरादाबाद में इलेक्ट्रिक बस सेवा एवं इलेक्ट्रिक बस डिपो की सुविधा प्रारंभ की गई।

दुनिया का सबसे उन्नत किस्म का कृत्रिम हृदय बनाएगा आईआईटी कानपुर

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में आईआईटी कानपुर के उप-निदेशक प्रो. एस. गणेश ने बताया कि आईआईटी दुनिया का सबसे उन्नत किस्म का कृत्रिम हृदय तैयार करेगा।

प्रमुख बिंदु

- आईआईटी परिसर में संचालित स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी (एसएमआरटी) की ओर से इस कवायद के लिये हृदय यंत्र कार्यक्रम बनकर तैयार हो गया है। इसमें देश-दुनिया के चिकित्सा व प्रौद्योगिकी जगत के विशेषज्ञ तो जुड़ेंगे, साथ ही किसी भी वर्ग से पढ़ने वाले स्नातक छात्रों को भी चुनौती के साथ बहुत कुछ सीखने का मौका दिया जाएगा।
- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएएमआर) के विशेषज्ञ भी इस कार्यक्रम में आईआईटी कानपुर की मदद करेंगे।

- प्रो. एस. गणेश ने बताया कि कृत्रिम हृदय को तैयार करने के लिये लेफ्ट वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस (एलवीएडी) को विकसित किया जाएगा।
- गौरतलब है कि प्रमुख अस्पतालों की मदद से यह कार्यक्रम दुनिया के लिये 'मेड इन इंडिया' के विज़न को बढ़ावा देगा। अभी जिस कृत्रिम हृदय का उपयोग होता है, वो बेहद खर्चीला होता है। आईआईटी कानपुर में यह तैयार हो जाता है तो इसे मील का पत्थर माना जाएगा। यह देश की पहली ऐसी डिवाइस होगी, जो यहाँ विकसित होगी।
- उल्लेखनीय है कि एलवीएडी या आर्टिफिशियल हार्ट एक ऐसा पंप है, जिसका उपयोग हार्ट फेल्योर के मरीज़ों के लिये अंतिम चरण में किया जाता है। इसके अलावा हार्ट ट्रांसप्लांट की प्रतीक्षा में ब्रिज के रूप में या ट्रांसप्लांट किये जाने में असमर्थ लोगों के लिये डेस्टीनेशन थेरेपी के रूप में इसका उपयोग होता है।
- यह एक इंप्लांटेबल बैटरी से चलने वाला मैकेनिकल पंप है, जो बाएँ वेंट्रिकल (हृदय का मुख्य पंपिंग चैंबर) को शरीर के बाकी हिस्सों में खून भेजने में मदद करता है।
- हृदय यंत्र कार्यक्रम न केवल देश के स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र को समृद्ध करेगा, बल्कि अंत:विषय जैव चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार में भी मार्ग प्रशस्त करेगा।

प्रदेश में 572 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

- 6 जनवरी, 2022 को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश के कौशांबी, अयोध्या और बस्ती में 12981 करोड़ रुपए की लागत वाली 572 किमी. लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कौशांबी में 2659 करोड़ रुपए की लागत वाली 6 एनएच परियोजनाओं और बस्ती में 1,624 करोड़ रुपए की लागत वाली 3 एनएच परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।
- उन्होंने अयोध्या में 8,698 करोड़ रुपए की लागत वाली 6 एनएच परियोजनाओं की आधारशिला रखी।
- अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग बन जाने से श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। अयोध्या रिंग रोड बनने से ट्रैफिक जाम की समस्या दूर हो जाएगी।
- एनएच-233 के निर्माण से लुम्बिनी स्थित भगवान बुद्ध की जन्मस्थली वाराणसी और सारनाथ से जुड़ जाएगी
- इससे एक दिन पहले 5 जनवरी को नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश में 26778 करोड़ रुपए की लागत वाली 821 किमी. के राष्ट्रीय राजमार्गों का उद्घाटन और शिलान्यास किया था।
- उन्होंने कानपुर में 14199 करोड़ रुपए की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, लखनऊ में 7409 करोड़ रुपए की 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं और प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर धाम में 5169 करोड़ रुपए की 4 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास किया था।
- इन परियोजनाओं से प्रयागराज, चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर धाम जैसे महत्त्वपूर्ण तीर्थ स्थलों को श्री राम वन गमन मार्ग की निर्माण योजना से जोड़ा जाएगा।
- इन परियोजनाओं से कानपुर और आस-पास के क्षेत्रों में चमड़ा, काँच तथा चूड़ी उद्योग के विकास में भी सहायता प्राप्त होगी, साथ ही प्रदेश में निवेश बढ़ाने और औद्योगिक विकास में मदद मिलेगी।

जल पुरस्कारों में उत्तर प्रदेश ने जीता प्रथम पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 7 जनवरी, 2022 को उत्तर प्रदेश ने केंद्रीय जल मंत्रालय के राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2020 के 'सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी' में प्रथम पुरस्कार हासिल किया। राजस्थान और तमिलनाडु ने सर्वश्रेष्ठ राज्य (सामान्य) श्रेणी में क्रमश: दूसरा और तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रमुख बिंदु

- यह भारत में जल संसाधन प्रबंधन के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाने के लिये दिये गए पुरस्कार का तीसरा संस्करण है।
- 11 श्रेणियों में कुल 57 पुरस्कारों की घोषणा की गई, जिनमें सर्वश्रेष्ठ राज्य, ज़िला, पंचायत और सर्वश्रेष्ठ उद्योग शामिल हैं।
- इस वर्ष उत्तर क्षेत्र ज़िला श्रेणी में पुरस्कार उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर ज़िले को दिया गया, जबकि वाराणसी के बलुआ ने 'सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत-उत्तर क्षेत्र'का पुरस्कार जीता।
- प्रदूषण के प्रभावी उपशमन के उद्देश्य को पूरा करने, नदियों के संरक्षण और कायाकल्प, गंगा सहित प्रमुख नदियों में पानी की गुणवत्ता में उत्तर प्रदेश में काफी सुधार हुआ है। प्रदेश सरकार ने राज्य में 3,298.84 एमएलडी (मिलियन लीटर दैनिक) क्षमता के 104 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किये हैं।
- इससे नदियों की धाराएँ अबाधित और शुद्ध हो गई हैं तथा नदियों में मिलने वाले नालों को बंद कर दिया गया है। 'नमामि गंगे'के तहत गंगा ही नहीं, बल्कि गोमती, सरयू, यमुना, राप्ती सहित सभी प्रमुख नदियों की स्थिति में गहन स्वच्छता अभियानों के कारण सुधार हुआ है।
- राज्य सरकार के ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग ने जल जीवन मिशन और केंद्र सरकार के नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत हर घर नल योजना के पहले चरण में 18 लाख से अधिक परिवारों को जलापूर्ति से जोड़ने की तैयारी पूरी कर ली है।
- उल्लेखनीय है कि 2018 में, देश भर में जल समृद्ध भारत सरकार के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में राज्यों, ज़िलों, व्यक्तियों और संगठनों द्वारा किये गए अनुकरणीय कार्यों और प्रयासों को मान्यता देने तथा प्रोत्साहित करने के लिये राष्ट्रीय जल पुरस्कारों की स्थापना की गई थी।

उत्तर प्रदेश को मिले पाँच प्रतिष्ठित ई-गवर्नेंस पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटलीकरण और ई-गवर्नेंस में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों के सम्मान में, राज्य को ई-गवर्नेंस के विभिन्न क्षेत्रों में पाँच प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं, जिनमें से दो उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्राप्त किये गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- ये पुरस्कार 23 जनवरी को एमएनएनआईटी, प्रयागराज में एक समारोह में प्रदान किये जाएंगे।
- मुख्यमंत्री के लिये यूपी-दर्पण डैशबोर्ड को उत्कृष्टता पुरस्कार के लिये चुना गया है। यह नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और कुशल निवारण की सुविधा प्रदान करने वाला पोर्टल है। इसका लोगों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है और इसने हज़ारों शिकायतकर्त्ताओं को राहत प्रदान की है।
- उच्च शिक्षा विभाग को नया कॉलेज/पाठ्यक्रम खोलने के लिये दो प्रयासों- डिजिटल लाइब्रेरी प्रोजेक्ट तथा ऑनलाइन एनओसी और संबद्धता प्रणाली में अपने सराहनीय कार्यों की मान्यता में सीएसआई एसआईजी ई-गवर्नेंस अवार्ड 2021 मिला है।
- ऑनलाइन एनओसी संबद्धता पोर्टल द्वारा अबतक शैक्षणिक सत्र 2021-22 में 487 स्नातक एनओसी, 431 स्नातकोत्तर एनओसी और 138 संबद्धताएँ ऑनलाइन दी गई हैं।
- राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होने वाले दो अन्य ई-गवर्नेंस पोर्टल्स 'माइन मित्र'और 'सेवा मित्र'हैं। माइन मित्र ऑनलाइन खनिज प्रबंधन, ऑनलाइन ट्रांजिट पास,ऑनलाइन नागरिक और किसान सेवाएँ जैसे ऑनलाइन लाइसेंस, परमिट, पटो और पंजीकरण आदि अवैध खनन की रोकथाम तथा कानूनी खनन को प्रोत्साहित करने की सुविधा के लिये एक ऑनलाइन मंच है।
- यह एकीकृत निगरानी और प्रवर्तन प्रणाली जैसे स्वचालित चेकगेट, एम-चेक के लिये आरएफआईडी हैंडहेल्ड मशीन, माइनटैग आदि की सुविधा भी प्रदान करता है। ये सेवाएँ और सुविधाएँ आम जनता, किसानों, पटोधारकों, स्टॉकिस्टों और ट्रांसपोर्टरों के लिये अत्यधिक उपयोगी हैं।
- सेवा मित्र भू-स्थान के आधार पर ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में नागरिकों तथा कुशल श्रमिकों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिये एक ऑनलाइन मंच है।

वरिष्ठ पत्रकार कमाल खान का निधन

चर्चा में क्यों ?

- 14 जनवरी, 2022 को उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार कमाल खान का दिल का दौरा पड़ने की वजह से निधन हो गया। वे 61 वर्ष के थे।

प्रमुख बिंदु

- कमाल खान एनडीटीवी के उत्तर प्रदेश ब्यूरो में कार्यकारी संपादक थे। कमाल खान दो दशक से पत्रकारिता में थे। लंबे समय तक प्रिंट मीडिया में रहने के बाद उन्होंने एनडीटीवी के साथ टीवी करियर की शुरुआत की और अंत तक चैनल के साथ जुड़े रहे।
- कमाल खान की पहचान एक तेजतर्रार पत्रकार के तौर पर थी। खबरों को पेश करने के अपने खास अंदाज और भाषा के लिये वह काफी लोकप्रिय थे।
- पत्रकारिता में शानदार योगदान के लिये उन्हें रामनाथ गोयनका पुरस्कार और राष्ट्रपति के हाथों गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार मिला था।

एमएनएनआइटी को मिला राष्ट्रीय स्तर का लॉन टेनिस और बास्केटबॉल कोर्ट

चर्चा में क्यों ?

- 16 जनवरी, 2022 को प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआइटी) में संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव त्रिपाठी ने राष्ट्रीय स्तर का सिंथेटिक लॉन टेनिस और बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही उन्होंने एक जिम का भी उद्घाटन किया। इनसे जहाँ एक ओर छात्रों को कैंपस में ही लॉन टेनिस और बास्केटबॉल खेलने की सुविधा हो गई है, वहीं दूसरी ओर व्यायाम करने के लिये उच्चस्तरीय जिम भी मिल गई है।
- इन दोनों कोर्ट और जिम का निर्माण 1987 बैच के द्वारा दिये गए दान से किया गया है। इनके निर्माण में 32 लाख रुपए का खर्च आया।
- इस कोर्ट की स्थापना से संस्थान में पढ़ रहे और खेल में रुचि रखने वाले छात्रों को खेलने का मौका मिलेगा। इससे शारीरिक फिटनेस तो होगी ही, साथ ही स्ट्रेस मैनेजमेंट में भी मदद मिलेगी।
- इस अवसर पर 1987 मैकेनिकल बैच के पूर्व छात्र व इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक राज दुबे ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग की रिसर्च स्कॉलर मृदुला भद्रा द्वारा डिज़ाइन किये गए एमएए के लोगो का भी अनावरण किया।

कथक नृत्य सम्राट पंडित बिरजू महाराज का निधन

चर्चा में क्यों ?

- 17 जनवरी, 2022 को पारंपरिक भारतीय नृत्य शैली 'कथक'को विश्व पटल पर ले जाने वाले एवं पद्म विभूषण, नृत्य शिरोमणि, संगीत नाटक अकादमी सरीखे अनगिनत सम्मानों से सम्मानित प्रख्यात कथक नर्तक बिरजू महाराज का निधन हो गया।

प्रमुख बिंदु

- भारत के सबसे प्रसिद्ध एवं पसंदीदा कलाकारों में से एक, बृज मोहन नाथ मिश्रा (पंडित बिरजू महाराज के नाम से मशहूर) शास्त्रीय कथक नृत्य के लखनऊ के कालका-बिंदादिन घराना से ताल्लुक रखते थे। इनका जन्म 4 फरवरी, 1938 को लखनऊ में हुआ था।
- बिरजू महाराज के पिता और गुरु अच्छन महाराज, चाचा शंभु महाराज और लच्छू महाराज भी प्रसिद्ध कथक नर्तक थे।
- पंडित बिरजू महाराज की कलात्मक शख्सियत ऐसी रही है, जो तर्क से परे मानी जाती है। वे गुरु, नर्तक, कोरियोग्राफर, गायक और कंपोजर थे। वे तालवाद्य बजाते थे, कविता लिखते थे और चित्रकारी भी करते थे। उनके शिष्य जाने-माने कलाकार हैं और दुनियाभर में फैले हैं।
- 1983 में पद्म विभूषण से सम्मानित बिरजू महाराज ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में भी डांस कोरियोग्राफ किया, जिनमें उमराव जान, डेढ़ इश्किया, बाजीराव मस्तानी जैसी फिल्में शामिल हैं। पद्म विभूषण के अलावा उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और कालिदास सम्मान भी मिल चुका है।

- वहीं 2012 में 'विश्वरूपम' फिल्म में कोरियोग्राफी के लिये उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा बाजीराव मस्तानी के 'मोहे रंग दो लाल' गाने की कोरियोग्राफी के लिये उन्हें वर्ष 2016 में फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था।
- इनके साथ ही इन्हें काशी हिंदू विश्वविद्यालय एवं खैरागढ़ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की मानद उपाधि भी मिली।

आगरा मास्टर प्लान-2031

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा 'आगरा मास्टर प्लान- 2031' को सार्वजनिक कर दिया गया है। इसमें ताजमहल और महताब बाग की ओर से रामबाग तक ताज धरोहर क्षेत्र का प्रस्ताव शामिल किया गया है। इसके तहत कई नए नियम बनाए गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- आगरा मास्टर प्लान-2031 में प्राधिकरण ने पहली बार ताज धरोहर क्षेत्र का गठन किया है, जिसमें तीन नियम शामिल किये गए हैं। ताज के अलावा रामबाग तक यमुना के दोनों ओर फैले ताज धरोहर क्षेत्र में स्मारकों से 100 मीटर के अंदर कोई निर्माण की अनुमति नहीं होगी।
- नियम के तहत 100 से 300 मीटर तक पुरातत्त्व विभाग के अनुमोदन पर एक मंजिल या 3.75 मीटर ऊँचे और बाकी जगहों पर दो मंजिला यानी 7.50 मीटर से ज्यादा ऊँचाई वाले भवनों की अनुमति नहीं दी जाएगी अर्थात् ताज से रामबाग के बीच दोनों ओर दो मंजिला से ऊँचे भवन नहीं बनाए जा सकेंगे। इससे यमुना किनारे मॉल, अपार्टमेंट, बहुमंजिला भवनों का निर्माण नहीं किया जा सकेगा।
- प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को महायोजना का हिस्सा बनाया है जिसके तहत ताजमहल के 500 मीटर दायरे में कोई निर्माण नहीं किया जा सकेगा। इसके बाद 500 मीटर से 750 मीटर दूरी तक एक मंजिला भवन और 750 मीटर से एक किमी दूरी तक दो मंजिला भवन से ज्यादा नहीं बन पाएंगे। ऐसे निर्माण, टावर और पुनर्निर्माण नहीं होंगे जिनसे दक्षिणी गेट चबूतरे से ताज के बैक ग्राउंड का दृश्य खराब नज़र आए।
- ताज से रामबाग तक यमुना नदी के दोनों ओर प्रस्तावित ताज धरोहर क्षेत्र के आवासीय क्षेत्रों में चल रही औद्योगिक इकाइयों को स्थानांतरित किया जाएगा। बल्केश्वर, कटरा वजीर खाँ, रामबाग के पास की कॉलोनियों में यमुना नदी के किनारे चेन फैक्टरियों समेत औद्योगिक इकाइयाँ चल रही हैं।
- आगरा मास्टर मास्टर प्लान-2031 में पूरे ताज धरोहर क्षेत्र में चलने वाली इकाइयों को महायोजना में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके साथ ही शहर में चल रही थोक मंडियों को भी शहर से बाहर करने का प्रस्ताव है। जिन मंडियों को शहर से बाहर स्थानांतरित किया जाएगा, उनकी खाली पड़ी जमीन पर पार्किंग और अन्य सेवाओं को मुहैया कराया जाएगा और केवल फुटकर की दुकानों को विकसित किया जाएगा।

देश का तीसरा सर्वाधिक प्रदूषित शहर बनारस

चर्चा में क्यों ?

- 22 जनवरी, 2022 को जारी देश भर के टॉप-10 प्रदूषित शहरों की सूची के अनुसार बनारस देश का तीसरा सर्वाधिक प्रदूषित शहर रहा। टॉप टेन प्रदूषित शहरों की सूची में प्रदेश के नौ शहर शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- जौनपुर देश का दूसरा सर्वाधिक प्रदूषित शहर रहा। जौनपुर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 325 और बनारस का एक्यूआई 282 दर्ज किया गया। जौनपुर जहाँ दूसरे नंबर पर है, वहीं बनारस का स्थान तीसरा रहा।
- आईक्यू एयर की ओर से जारी आँकड़ों के अनुसार बनारस 282 एक्यूआई के साथ ऑरेंज जोन में है। शहर में सबसे अधिक प्रदूषित बलभद्र कॉलोनी, रामनगर, साकेत नगर, जंगमबाड़ी, नाटी इमली रोड, मछली मार्केट और लंका का रहा।
- टॉप टेन प्रदूषित शहर हैं- 1. घाटमपुर-333, 2. जौनपुर-325, 3. वाराणसी-282, 4. सीतापुर-264, 5. मड़ियाहूं-258, 6.उन्नाव-236, 7. नानपारा-227, 8. पटना-222, 9. अकबरपुर-219, 10. कानपुर-204

उत्तर प्रदेश के 8 बच्चे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 24 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में एक वर्चुअल समारोह में देश के 61 बच्चों को वर्ष 2021 एवं 2022 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया, जिनमें 8 बच्चे उत्तर प्रदेश के हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस वर्ष के इन पुरस्कार विजेताओं में 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 15 लड़के और 14 लड़कियाँ शामिल हैं। ये बच्चे देश के सभी क्षेत्रों से नवाचार (7), सामाजिक सेवा (4), शैक्षिक (1), खेल (8), कला और संस्कृति (6) तथा वीरता (3) श्रेणियों में अपनी असाधारण उपलब्धियों के लिये चुने गए हैं।
- इसी प्रकार वर्ष 2021 के पुरस्कार विजेताओं में 21 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 32 बच्चे नवाचार (9), कला एवं संस्कृति (7), खेल (7), शैक्षिक (5), वीरता (3) तथा सामाजिक सेवा (1) श्रेणियों में चुने गए हैं।
- पीएमआरबीपी पुरस्कार विजेता हर साल गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हैं। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक पदक, एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार और एक प्रमाण-पत्र दिया जाता है।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार- 2022 से सम्मानित उत्तर प्रदेश के तीन बच्चे हैं- अभिनव कुमार चौधरी (समाज सेवा), चंधारी सिंह चौधरी एवं जिया राय (खेल)।
- इसी प्रकार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार- 2021 से सम्मानित उत्तर प्रदेश के 5 बच्चे हैं- व्योम आहूजा (कला और संस्कृति), कुँवर दिव्यांश सिंह (वीरता), चिराग भंसाली (नवाचार), मोहम्मद शोएब (शैक्षिक) तथा मोहम्मद रफी (खेल)।
- पीएमआरबीपी 2021और 2022 के पुरस्कार विजेता अपने माता-पिता तथा अपने-अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के साथ संबंधित जिला मुख्यालय से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।
- प्रधानमंत्री ने समारोह के दौरान राष्ट्रीय ब्लॉकचेन परियोजना के तहत आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित ब्लॉकचेन संचालित तकनीक का उपयोग करके पीएमआरबीपी 2021 और 2022 के 61 विजेताओं को डिजिटल प्रमाण-पत्र प्रदान किये।

उत्तर प्रदेश के 14 व्यक्तियों को पद्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 25 जनवरी, 2022 को 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने वर्ष 2022 के लिये 128 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की। उत्तर प्रदेश से 14 व्यक्ति इन पुरस्कारों की सूची में शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- पद्म पुरस्कार देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। इसे तीन श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। इन तीन श्रेणियों में पद्मविभूषण, पद्मभूषण और पद्मश्री शामिल हैं।
- असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म विभूषण', उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्मभूषण'और किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्मश्री'पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- ये पुरस्कार विभिन्न विषयों/क्षेत्रों, अर्थात् कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान व इंजीनियरिंग, व्यापार एवं उद्योग, चिकित्सा, साहित्य व शिक्षा, खेल, सिविल सेवा इत्यादि में प्रदान किये जाते हैं।
- इन पुरस्कारों की घोषणा राष्ट्रपति द्वारा हर वर्ष 'गणतंत्र दिवस'के अवसर पर की जाती है तथा आमतौर पर मार्च/अप्रैल में राष्ट्रपति भवन में आयोजित किये जाने वाले औपचारिक समारोहों में ये पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।
- इस वर्ष राष्ट्रपति ने 128 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंज़ूरी दी है, जिनमें 2 जोड़ी पुरस्कार (किसी जोड़ी को दिये गए पुरस्कार की गणना एक पुरस्कार के रूप में की जाती है) भी शामिल हैं। इस सूची में 4 पद्मविभूषण, 17 पद्मभूषण और 107 पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं।

- पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वालों में 34 महिलाएँ हैं और इस सूची में 10 व्यक्ति विदेशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई श्रेणी के अंतर्गत आते हैं तथा 13 व्यक्तियों को मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया है।
- वर्ष 2022 के लिये घोषित पद्म पुरस्कारों की सूची में उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित व्यक्ति शामिल हैं-
  - राधेश्याम खेमका (मरणोपरांत) एवं कल्याण सिंह (मरणोपरांत) को क्रमश: साहित्य एवं शिक्षा तथा सार्वजनिक मामले के क्षेत्र में भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्मविभूषण' के लिये चुना गया है।
  - राशिद खान को कला के क्षेत्र में तथा वशिष्ठ त्रिपाठी को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु 'पद्मभूषण' के लिये चुना गया है।
  - इसी प्रकार सुश्री कमलिनी अस्थाना और सुश्री नलिनी अस्थाना (कला), शीशराम (कला), सेठ पाल सिंह (कृषि), सुश्री विद्या विंदु सिंह (साहित्य और शिक्षा), शिवानंद (योग), अजय कुमार सोनकर (विज्ञान एवं अभियांत्रिकी), सुश्री अजिता श्रीवास्तव (कला), डॉ. कमलाकर त्रिपाठी (चिकित्सा) तथा शिवनाथ मिश्र (कला) को पद्मश्री पुरस्कार के लिये चुना गया है।

उत्तर प्रदेश के 79 पुलिसकर्मियों को वीरता पदक/सेवा पदक

चर्चा में क्यों ?

- 26 जनवरी, 2022 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के कुल 939 पुलिसकर्मियों को वीरता पदक/सेवा पदक से सम्मानित किया गया, जिनमें उत्तर प्रदेश के 79 पुलिसकर्मी शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- देश की सुरक्षा में अदम्य साहस का प्रदर्शन कर सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को हर साल गणतंत्र दिवस के मौके पर वीरता पुरस्कार (Gallantry Award) से सम्मानित किया जाता है।
- गृह मंत्रालय का पुलिस प्रभाग सराहनीय/विशिष्ट सेवा तथा शौर्य के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक पुरस्कारों आदि से जुड़े मामलों से संबंधित कार्य करता है।
- वर्ष 2022 के लिये वीरता पदक प्राप्त करने वाले उत्तर प्रदेश के पुलिसकर्मी हैं-
  - उत्तर प्रदेश के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार को वीरता के लिये पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान किया गया।
  - विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक उत्तर प्रदेश के 5 पुलिसकर्मियों-विजय प्रकाश, श्रीपति मिश्रा, सुशील पांडेय, मिश्री लाल शुक्ला एवं कृष्णचन्द्र मिश्रा को दिया गया।
  - इसी प्रकार राज्य के 73 पुलिसकर्मियों को सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक प्रदान किया गया।

उत्तर प्रदेश विधानपरिषद चुनाव

चर्चा में क्यों ?

- 28 जनवरी को भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानपरिषद के स्थानीय निकाय क्षेत्र की 35 सीटों पर चुनाव कार्यक्रम घोषित किया।

प्रमुख बिंदु

- निर्वाचन आयोग के अनुसार, उत्तर प्रदेश विधानपरिषद के स्थानीय निकाय क्षेत्र की 35 सीटों पर चुनाव दो चरणों में होगा। पहले चरण में 3 मार्च को 29 सीटों और दूसरे चरण में 7 मार्च को 6 सीटों के चुनाव के लिये मतदान होगा।
- गौरतलब है कि जिस प्रकार संसद के दो सदन होते हैं, उसी प्रकार संविधान के अनुच्छेद-169 के अनुसार राज्यों में विधानसभा के अतिरिक्त एक विधानपरिषद भी हो सकती है।
- वर्तमान में छह राज्यों- आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक में विधानपरिषद विद्यमान हैं।
- उत्तर प्रदेश विधानपरिषद में कुल 100 सदस्य हैं, जिनका निर्वाचन निम्न प्रकार किया जाता है-

- एक-तिहाई MLC राज्य के विधायकों द्वारा चुने जाते हैं।
- इसके अलावा 1/3 सदस्य स्थानीय निकायों, जैसे- नगरपालिका और ज़िला बोर्डों आदि द्वारा चुने जाते हैं।
- 1/12 सदस्यों का निर्वाचन 3 वर्ष से अध्यापन कर रहे लोग करते हैं तथा 1/12 सदस्यों को राज्य में रह रहे 3 वर्ष से स्नातक निर्वाचित करते हैं।
- शेष सदस्यों का नामांकन राज्यपाल द्वारा उन लोगों के बीच से किया जाता है, जिन्हें साहित्य, ज्ञान, कला, सहकारिता आंदोलन और समाज सेवा का विशेष ज्ञान तथा व्यावहारिक अनुभव हो।

काशी बनेगी शंघाई सहयोग संगठन की सांस्कृतिक व पर्यटन राजधानी

चर्चा में क्यों ?

- 28 जनवरी, 2022 को वाराणसी के कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बताया कि काशी को शंघाई सहयोग संगठन की सांस्कृतिक और पर्यटन राजधानी घोषित कराने के लिये स्मार्ट सिटी डोजियर तैयार किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- डोजियर में साल भर तक होने वाले आयोजन, प्रमुख स्थल, खानपान सहित अन्य चीज़ों को प्रमुखता से उल्लेखित किया जाएगा।
- डोजियर निर्माण का उद्देश्य शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों के आगामी शिखर सम्मेलन में काशी को एससीओ की सांस्कृतिक और पर्यटन राजधानी के लिये नामांकन के तौर पर प्रस्तुत करना है।
- गौरतलब है कि शंघाई सहयोग संगठन की ओर से प्रत्येक वर्ष सदस्य देश के एक शहर को सांस्कृतिक व पर्यटन राजधानी बनाए जाने का प्रावधान है, जिसके तहत सितंबर 2022 से सितंबर 2023 तक के लिये भारत को चुना गया है।
- उल्लेखनीय है कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) 8 सदस्यों का आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा गठबंधन है, जिसकी स्थापना वर्ष 2001 में की गई थी। इसमें चीन, भारत, कज़ाखस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान एवं उज्बेकिस्तान शामिल हैं। 9 जून, 2017 को भारत और पाकिस्तान ने इसकी सदस्यता ली थी।